वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 35 | मंगलवार 7 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

**महानिदेशक पुलिस ने पेश किया राजस्थान पुलिस का रिपोर्ट कार्ड, भविष्य की रणनीति भी बताई**

# गंभीर अपराधों में 4.65 प्रतिशत की आई कमी

## पेपर लीक पर लगी रोक, बड़े ड्रग माफिया और गैंगस्टर्स की संपत्तियां होंगी कुर्क

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

राजस्थान पुलिस ने विगत समय में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और तकनीक आधारित पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। गंभीर अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट, पेपर लीक माफिया पर प्रभावी कार्रवाई, नशा तस्करों और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त अभियान तथा नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन ने प्रदेश की पुलिसिंग को नई पहचान दी है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गत 6 महिनों की उपलब्धियों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि अब राजस्थान पुलिस केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपराध की रोकथाम, अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने और तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। डीजीपी शर्मा ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस की सजगता और प्रो-एक्टिव पुलिसिंग के चलते 2025 की प्रथम छमाही तथा 2026 की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज होने वाले कुल अपराधों में 4.65 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2025 की समान अवधि में 99272 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2026 की इस अवधि में यह संख्या घटकर 94652 रह गई है। इसके विपरीत, पुलिस द्वारा की गई स्वतः स्फूर्त कार्रवाई के कारण स्थानीय और विशेष अधिनियमों के तहत दर्ज मामलों में 4.25 प्रतिशत की वृद्धि (49087 से बढ़कर 51172 केस) दर्ज हुई है, जो अपराधियों के खिलाफ पुलिस की आक्रामक रणनीति को प्रदर्शित करती है।

### संपत्ति संबंधित अपराधों में ऐतिहासिक सुधार

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शर्मा ने संपत्ति संबंधी अपराधों में पुलिस की माल बरामदगी के ऐतिहासिक सुधारों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि लूट के मामलों में बरामदगी का प्रतिशत 71% से बढ़कर 79.09% और नकबजनी जैसे मामलों में माल बरामदगी महज 9.58% के स्तर से अभूतपूर्व छलांग लगाते हुए 58.24% तक पहुंच चुकी है। इसके साथ ही चोरी के माल की रिकवरी भी 10.34% से सुधरकर 24.79% हो गई है। नशे और अवैध हथियारों के सौदागरों के खिलाफ चलाए गए अभियान की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस अवधि में आबकारी अधिनियम में 2.06% (24,310 से 24,811), आर्म्स एक्ट में 4.23% (6,428 से 6,700) तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में रिकॉर्ड 29.94% की बढ़ोतरी करते हुए कुल 7,195 मामले दर्ज कर बड़े ड्रग सिंडिकेट्स को ध्वस्त किया गया है। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से एडीजी सिविल राइट के अधीन अनुसंधान की गति को तेज किया गया है। इसके तहत पोक्सो के तहत दर्ज मामलों में पुलिस का औसत अनुसंधान समय जो वर्ष 2024-25 में 78.2 दिन था, वह 2025-26 में घटकर 51.2 दिन और रेप के मामलों में 81 दिन से घटकर 52 दिन रह गया है, जो कि पुलिस की कार्यकुशलता का एक बड़ा प्रमाण है।

### अपराधों में बड़ी गिरावट

राजीव कुमार शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि राज्य में अपराध के लगभग सभी मुख्य शीर्षकों में बड़ी कमी दर्ज की गई है। पिछले साल की तुलना में हत्या के मामलों में 4.41% (703 से घटकर 672), हत्या के प्रयास में 11.17% (1288 से घटकर 1145 ), डकैती में 16.28% (43 से घटकर 36) और लूट की वारदातों में 19.93% (577 से घटकर 462 प्रकरण) की भारी गिरावट आई है। इसी तरह व्यपहरण/अपहरण के मामलों में 4.72% (5211 से घटकर 4965 प्रकरण), बालिग दुष्कर्म के मामलों में 13.36% (2088 से घटकर 1809) तथा पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मुकदमों में 20.90 प्रतिशत की कमी (1651 से घटकर 1306) देखी गई है। कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर भी एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में समग्र रूप से 18.81% (3121 से घटकर 2534 प्रकरण) की कमी आई है।

## युवा पीढ़ी राष्ट्र के विकास में निभाए सक्रिय भागीदारी : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के चार प्रमुख पार्कों का नाम उनके नाम पर करने एवं उनके आदर्शों को समर्पित स्मारक स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि जयपुर स्थित वुडलैंड पार्क, जोधपुर के विवेक विहार स्थित सेंट्रल पार्क, कोटा के रामचंद्रपुरा अटवाल नगर स्थित पार्क तथा उदयपुर की सेक्टर-12 योजना स्थित पार्क का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद के नाम पर किया जाएगा। साथ ही, इन सभी स्थानों पर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को प्रदर्शित करने वाले स्मारक भी स्थापित किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ एकता, अखंडता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, त्याग और राष्ट्रभक्ति आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे में यह पहल भावी पीढ़ियों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों से प्रेरणा देने का एक विनम्र प्रयास है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे उनके आदर्शों और संकल्पों को आत्मसात करते हुए विकसित भारत और विकसित राजस्थान के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

# दिगम्बर जैनाचार्य ज्ञानभूषण महाराज का जम्बूस्वामी तपोभूमि बोलखेड़ा में मंगल प्रवेश

## भोग और रोग में उलझे जीवन को भगवान महावीर एवं भगवान राम के आदर्शों की आवश्यकता : आचार्य ज्ञानभूषण

**बोलखेड़ा। शाबाश इंडिया**

जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बूस्वामी की पावन तपोभूमि बोलखेड़ा में प्रातःकालीन बेला में दिगम्बर जैनाचार्य श्री 108 ज्ञानभूषण महाराज ससंघ का भव्य एवं मंगलमय प्रवेश हुआ। आचार्य संघ के आगमन से समूचा क्षेत्र धर्ममय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। गांव की सीमा पर श्रद्धालुओं ने आचार्य संघ का श्रद्धा एवं भक्ति के साथ स्वागत किया। ''जय जिनेन्द्र'' के जयघोष और जैन धर्म के उद्घोषों के बीच शोभायात्रा के रूप में आचार्य संघ का गांव के मध्य स्थित प्राचीन श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य ज्ञानभूषण महाराज ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मकल्याण, संयम और आत्मचिंतन है। धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारित, सदाचारी और मूल्यवान बनाने का माध्यम है। भगवान जम्बूस्वामी की तपोभूमि त्याग, तप एवं आत्मजागरण की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य अपने जीवन में अहिंसा, करुणा और आत्मसंयम को धारण कर ले, तो उसका जीवन सार्थक हो जाता है। आज भोग और रोग में उलझे जीवन को भगवान महावीर एवं भगवान राम के आदर्शों की सबसे अधिक आवश्यकता है। संघस्थ क्षुल्लिका ज्ञान गंगा माताजी ने कहा कि आज की भागदौड़ और भौतिकतावादी जीवनशैली में आध्यात्मिकता ही मनुष्य को मानसिक शांति और जीवन की सही दिशा प्रदान कर सकती है। उन्होंने श्रावक-श्राविकाओं से धर्म, संस्कार और सदाचार की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ पंचकल्याणक महोत्सव के उपरांत आचार्य संघ गोविंदगढ़, सीकरी, बोलखेड़ा, पहाड़ी एवं फिरोजपुर झिरका होते हुए नोगावां में वर्षायोग के लिए पदविहार कर रहा है। कार्यक्रम में सीकरी, लक्ष्मणगढ़, कामां, जुरहरा सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। दीपक जैन बोलखेड़ा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का तीन दिवसीय प्रवास बोलखेड़ा में रहेगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

### रवि जसरासरिया ने कहा...

# वारिवो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड हजारों युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के अवसर दे रही है

**ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया**

सिरसा रोड स्थित वारिवो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में नोहर रोड स्थित प्रसिद्ध जनता गर्ल कॉलेज की छात्राओं को 120 घंटे की इंटर्नशिप पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम रितु गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर रवि जसरासरिया, संजय जसरासरिया, नगर पार्षद सुभाष चंद्र, सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्ण कुमार ग्रोवर तथा परियोजना प्रभारी पवन कुमार सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्ण कुमार ग्रोवर ने कहा कि इंटर्नशिप केवल एक प्रमाण पत्र या बायोडाटा का हिस्सा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के करियर की मजबूत नींव होती है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी इंटर्नशिप के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं तो अनेक कंपनियां उन्हें पढ़ाई पूरी होने के बाद सीधे स्थायी नौकरी का अवसर भी प्रदान करती हैं। परियोजना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि कक्षा में प्राप्त ज्ञान मुख्य रूप से सैद्धांतिक होता है, जबकि इंटर्नशिप विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल पर उस ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग सीखने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में इंटर्नशिप छात्रों के लिए विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। रवि जसरासरिया ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वारिवो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड अपने विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य वातावरण से परिचित कराती है और उनके आत्मविश्वास के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि जब कोई विद्यार्थी नौकरी के लिए आवेदन करता है तो इंटर्नशिप का अनुभव उसके बायोडाटा को अधिक प्रभावी बनाता है और उसे अन्य उम्मीदवारों की तुलना में बढ़त दिलाता है। नगर पार्षद एवं समाजसेवी सुभाष चंद्र ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उद्देश्य से इंटर्नशिप नहीं करनी चाहिए, बल्कि ऐसी संस्था का चयन करना चाहिए जहां उन्हें नई तकनीक, कार्य संस्कृति और व्यावहारिक अनुभव सीखने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थी समय प्रबंधन, अनुशासन, टीम वर्क, पेशेवर संवाद और कार्यस्थल की जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझते हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को इंटर्नशिप प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी ने किया सघन वृक्षारोपण

**गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दिगंबर जैन मंदिर नसियांजी परिसर में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर देशी-विदेशी प्रजातियों के मनमोहक, आकर्षक एवं पुष्पीय 24 पौधे सुंदर गमलों में 24 तीर्थंकरों के नाम पर ग्रुप के 24 सदस्य परिवारों की ओर से लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के उपाध्यक्ष विमल जैन गोधा ने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य को संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। संस्थापक

अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी पिछले कई वर्षों से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न अभियान निरंतर संचालित कर रहा है। ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या एवं कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है। तभी वृक्षारोपण अभियान का वास्तविक उद्देश्य सफल हो सकेगा। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल ने ग्रुप द्वारा पर्यावरण संरक्षण, रेलवे स्टेशन पर जनसेवा तथा समाजहित में किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से गंगापुर सिटी जैन समाज का गौरव निरंतर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में प्रवीण जैन कठूमर, ज्ञानेंद्र जैन, जगदीश जैन, कार्यक्रम संयोजक धर्मेंद्र जैन पांड्या, देवेंद्र जैन, पंकज जैन, दीपक पाटनी, मंगल जैन, राजेश जैन, विकास पांड्या, महिला प्रभारी मोनिका जैन, निलेश जैन, दीप्ति जैन, नीता जैन, विद्या गोधा, शशि जैन, सुनीता कठूमर, त्रिशला सोगानी, चंद्रेश जैन, स्वीटी जैन, नीरू पाटनी, प्रीति सोनी, वीरेंद्र जैन, विजेंद्र जैन कासलीवाल, अनिल जैन, भावना जैन, अभिमन जैन एवं शिवानी जैन सहित बड़ी संख्या में ग्रुप सदस्य उपस्थित रहे।

# श्री दिगंबर जैन महासमिति त्रिशला संभाग ने किया वृक्षारोपण, गौसेवा एवं जीवदया का आयोजन

## समाज भूषण स्वर्गीय राजेंद्र के. गोधा की जयंती पर पर्यावरण संरक्षण और सेवा कार्यों का लिया संकल्प

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन महासमिति त्रिशला संभाग, दुर्गापुरा की ओर से समाज भूषण स्वर्गीय राजेंद्र के. गोधा की जयंती के अवसर पर दुर्गापुरा गौशाला में वृक्षारोपण, गौसेवा एवं पक्षियों के लिए दाना सेवा का प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, गौ संवर्धन तथा समाज में सेवा, जीवदया और प्रकृति संरक्षण के प्रति जनजागरण करना रहा। कार्यक्रम में राजस्थान गौसेवा संघ एवं गौमाता सेवार्थ समिति का विशेष सहयोग एवं सान्निध्य प्राप्त हुआ। उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही गौशाला में गौमाताओं की सेवा की तथा पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था कर जीवदया एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन किया तथा श्रद्धालुओं के बीच लस्सी का वितरण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ''एक वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और स्वच्छ पर्यावरण का आधार है,'' वहीं ''गौसेवा भारतीय संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं की आत्मा है।'' त्रिशला संभाग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, गौसेवा और जीवदया जैसे जनहितकारी कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को प्रकृति संरक्षण, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी संदेश दिया गया।

## पंचशील दिगम्बर जैन समाज टी ग्रुप ने नारेली गौशाला में किया गौवंश के लिए चारा वितरण

**अजमेर। शाबाश इंडिया।** सामाजिक सेवा के अंतर्गत पंचशील दिगम्बर जैन समाज टी ग्रुप द्वारा ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र, नारेली स्थित गौशाला में गौवंश के लिए चारा वितरण कर गौसेवा का प्रेरणादायी कार्य किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का अभिन्न अंग है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से समय-समय पर गौशालाओं में सहयोग कर गौसंवर्धन एवं जीवदया के कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान किया। ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली गौशाला प्रबंधन ने पंचशील दिगम्बर जैन समाज टी ग्रुप द्वारा किए गए चारा वितरण एवं सेवा कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ समाज में सेवा और जीवदया की भावना को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में राजेन्द्र पाटोदी, बॉबी गोधा, मनीष गदिया, योगेश बाकलीवाल, राजेश कासलीवाल, संजय पाटनी, कपिल पाटनी, नीरज बड़जात्या, लोकेश पाटनी, जय कुमार, अशोक बड़जात्या तथा अंकित पाटनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ

### 552 सेवा प्रकल्प पूरे कर क्लब ने प्रांत में हासिल किया द्वितीय स्थान

**जयपुर। शाबाश इंडिया।** लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की इंस्टॉलेशन सेरेमनी एवं अध्यक्षीय पुरस्कार समारोह गोपालपुरा बायपास स्थित एक होटल में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एमजेएफ लायन के.सी. बंसल एवं एमजेएफ लायन सी.एस. तोमर रहे। इस अवसर पर वर्ष 2026-27 के लिए लायन सुरेंद्र गुप्ता ने अध्यक्ष, लायन प्रकाश जैन ने सचिव तथा लायन मनीष शर्मा ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। मुख्य अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा क्लब के नए सदस्यों का स्वागत किया। निवर्तमान अध्यक्ष लायन राजेश पारीक ने वर्षभर उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले सदस्यों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया। वहीं, निवर्तमान सचिव लायन महेंद्र बैराठी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि क्लब ने गत सत्र में 552 सेवा प्रकल्प पूर्ण कर पूरे प्रांत में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जो क्लब के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय क्लब के सभी सदस्यों की सेवा भावना, समर्पण और सहयोग को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया तथा विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी भी सेवा कार्यों की इस परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन लायन अमित गट्टानी एवं लायन अल्पना श्रीवास्तव ने किया। अंत में कार्यक्रम संयोजिका लायन मानिका व्यास ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वालों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

## राजनीति

# किसान की मुस्कान या महंगाई की आहट?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

केंद्र सरकार द्वारा बफर स्टॉक के लिए प्याज की सरकारी खरीद कीमत 1,875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने का निर्णय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लगभग 13 प्रतिशत की यह वृद्धि केवल मूल्य संशोधन नहीं, बल्कि किसानों को बेहतर आय, बाजार में मूल्य स्थिरता और उपभोक्ताओं के हितों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी है। भारत विश्व के प्रमुख प्याज उत्पादक देशों में शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और राजस्थान इसके प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। पर्याप्त उत्पादन के बावजूद किसानों को कई बार लागत से कम कीमत पर फसल बेचनी पड़ती है, जबकि उत्पादन घटने या आपूर्ति प्रभावित होने पर यही प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाता है। यही असंतुलन वर्षों से कृषि बाजार की बड़ी चुनौती रहा है। सरकारी खरीद मूल्य में 250 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि से बफर स्टॉक योजना के तहत प्याज बेचने वाले किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और अगली फसल की तैयारी के लिए आर्थिक आधार मजबूत होगा। हालांकि केवल खरीद मूल्य बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है। बीज, उर्वरक, सिंचाई, डीजल, बिजली और मजदूरी जैसी लागत लगातार बढ़ रही है। इसलिए लागत कम करने वाली तकनीकों, आधुनिक कृषि उपकरणों और वैज्ञानिक खेती को भी समान महत्व देना होगा। सरकार का बफर स्टॉक तंत्र इस नीति का महत्वपूर्ण आधार है। अच्छी कीमत पर खरीदा गया प्याज सुरक्षित भंडारण में रखा जाता है और आवश्यकता पड़ने पर बाजार में जारी कर कीमतों को नियंत्रित किया जाता है। इससे किसानों को उचित मूल्य मिलता है और उपभोक्ताओं को अत्यधिक महंगाई से राहत मिलती है। यह भी समझना जरूरी है कि सरकारी खरीद मूल्य बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि खुदरा बाजार में तुरंत प्याज महंगा हो जाएगा। खुदरा कीमतें उत्पादन, मांग, आपूर्ति और बाजार व्यवस्था जैसे अनेक कारकों पर निर्भर करती हैं। यदि उत्पादन सामान्य रहा और बफर स्टॉक का प्रभावी उपयोग हुआ तो कीमतों में अनावश्यक वृद्धि रोकी जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में सबसे बड़ी चुनौती उत्पादन नहीं, बल्कि भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला है।

## संपादकीय

# विश्वास की बहाली या प्रशासनिक बदलाव की शुरूआत?

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को मणिराम दास छावनी में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठक पर देशभर के करोड़ों राम भक्तों की निगाहें टिकी हैं। चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर उठे विवादों और लगाए गए आरोपों के बीच बुलाई गई इस बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय तथा सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार, एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति तथा वित्तीय

वर्ष 2025-26 के अनऑडिटेड आय-व्यय और बैलेंस शीट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रस्तावित है। इन निर्णयों का प्रभाव केवल ट्रस्ट के प्रशासन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास से भी जुड़ा होगा। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। ऐसे में चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर उठे प्रश्नों ने स्वाभाविक रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। इस बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में अधिकांश सदस्यों के व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने तथा कुछ सदस्यों के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होने की संभावना है। कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि की ओर से सभी सदस्यों से पूर्ण उपस्थिति का आग्रह भी किया गया है। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा महासचिव चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर निर्णय माना जा रहा है। साथ ही एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट पर भी चर्चा होने की संभावना है। यदि जांच में प्रशासनिक या वित्तीय कमियां सामने आती हैं, तो उनके समाधान और भविष्य की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के उपाय तय किए जा सकते हैं। ट्रस्ट की विश्वसनीयता बनाए रखने की दृष्टि से यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है। बैठक का एक अन्य महत्वपूर्ण विषय मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति है। विशेषज्ञों का मानना है कि विशाल मंदिर परिसर, लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था और वित्तीय प्रबंधन को देखते हुए पेशेवर प्रशासनिक नेतृत्व समय की आवश्यकता बन चुका है। संतों का मार्गदर्शन और आध्यात्मिक नेतृत्व अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन आधुनिक संस्थागत प्रबंधन के लिए अनुभवी प्रशासनिक व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनऑडिटेड आय-व्यय और बैलेंस शीट पर भी विचार होगा। मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान का उपयोग यदि पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमानुसार किया जाए तो इससे मंदिर के रखरखाव, आसपास के विकास, धार्मिक गतिविधियों और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को नई गति मिल सकती है। इसके विपरीत, वित्तीय प्रक्रियाओं को लेकर किसी भी प्रकार का संदेह श्रद्धालुओं के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि ट्रस्ट अपनी कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी तथा आधुनिक बनाए। राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सनातन परंपरा और लंबे ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है। -**राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# भ्रष्टाचार की गहरी नींव

ललित गर्ग

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को आधुनिक भारत की तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का प्रतीक बताया गया था। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही समय बाद पहली बरसात में इसका एक हिस्सा धंस जाने और वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना ने विकास की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, किंतु इस घटना ने यह सोचने पर विवश कर दिया कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी परियोजनाएं पहली ही प्राकृतिक परीक्षा में क्यों असफल हो रही हैं। यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नई सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों और सार्वजनिक ढांचों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। बिहार में पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं, गुजरात के मोरबी पुल हादसे, कोलकाता के विवेकानंद फ्लाईओवर दुर्घटना, दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत गिरने तथा मुंबई में विशाल होर्डिंग दुर्घटना ने सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर बहस खड़ी की है। प्रत्येक घटना के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन वे निर्माण प्रक्रिया, रखरखाव और जवाबदेही से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य उठाती हैं। पहली ही बरसात में सड़क धंस जाना या नई संरचनाओं में गंभीर तकनीकी समस्याएं सामने आना केवल मौसम की मार नहीं माना जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक तकनीकों के युग में ऐसी परियोजनाओं से दीर्घकालिक मजबूती और सुरक्षा की अपेक्षा स्वाभाविक है। यदि ऐसा नहीं हो रहा, तो निर्माण गुणवत्ता, जल निकासी व्यवस्था, तकनीकी निगरानी और परियोजना प्रबंधन की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। सड़कें, पुल और सार्वजनिक ढांचे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला होते हैं। इन्हीं के माध्यम से व्यापार, परिवहन, कृषि और औद्योगिक गतिविधियां गति पकड़ती हैं। जब इनकी गुणवत्ता पर प्रश्न उठते हैं, तो केवल ढांचे ही नहीं टूटते, बल्कि जनता का शासन और प्रशासन पर विश्वास भी कमजोर होता है। दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर प्रकरण में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई और निर्माण कंपनी को नोटिस जारी किया गया है। यह आवश्यक कदम है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान केवल प्रशासनिक कार्रवाई से संभव नहीं होगा। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें परियोजना के प्रत्येक चरण—डिजाइन, सामग्री चयन, गुणवत्ता परीक्षण और निर्माण—की स्वतंत्र निगरानी हो तथा जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं में पारदर्शिता, थर्ड-पार्टी गुणवत्ता ऑडिट, डिजिटल मॉनिटरिंग, ड्रोन निरीक्षण और आधुनिक तकनीकी परीक्षण को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, परियोजना पूरी होने के बाद भी निश्चित अवधि तक उसके प्रदर्शन का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है। यदि लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण सार्वजनिक धन की हानि अथवा जनहानि होती है, तो संबंधित पक्षों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे, आर्थिक गलियारे, आधुनिक हवाई अड्डे और स्मार्ट शहर तभी सार्थक होंगे, जब उनकी नींव गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित होगी। विकास का अर्थ केवल नई परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं, बल्कि उनका वर्षों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बने रहना भी है।

# अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच के 18वें क्षेत्रीय अधिवेशन में किशनगढ़ शाखा बनी सर्वश्रेष्ठ

## वर्षभर के उत्कृष्ट सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों पर मिला 'सर्वश्रेष्ठ शाखा' सम्मान

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच एवं राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच का 18वाँ क्षेत्रीय अधिवेशन जयपुर स्थित भट्टारक जी की नसियां के इन्द्रलोक सभागार में भव्य रूप से आयोजित किया गया। अधिवेशन का सफल संचालन जयपुर पिंक सिटी शाखा द्वारा किया गया। अधिवेशन में जयपुर की सात शाखाओं के साथ-साथ किशनगढ़, अजमेर, बूंदी, बारां, सीकर एवं कुचामन शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी शाखाओं ने वर्षभर में किए गए सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। किशनगढ़ शाखा की ओर से मंच अध्यक्ष मनोज दोषी ने शाखा की वर्षभर की उपलब्धियों एवं सेवा कार्यों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। सभी शाखाओं की रिपोर्ट के मूल्यांकन के आधार पर अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच की किशनगढ़ शाखा को 'सर्वश्रेष्ठ शाखा' सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों में हर्ष का वातावरण रहा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जैन (उदयपुर), राष्ट्रीय महामंत्री चंद्रप्रकाश बैद, राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री अशोक जैन, इंदिरा जी बड़जात्या सहित अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। किशनगढ़ शाखा की ओर से मंच अध्यक्ष मनोज दोषी, महामंत्री जितेन्द्र पाटनी, पूरन टोंग्या, अशोक पाटनी, पिंटू पाटनी, नरेश झाँझरी, सुनील भाणावत, अरविन्द बैद, राहुल गंगवाल एवं मुकेश काला ने अधिवेशन में सहभागिता निभाई। राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच, किशनगढ़ शाखा की ओर से अध्यक्ष संगीता पापड़ीवाल, महामंत्री मीनाक्षी गंगवाल, आरती बैद, नीलू झाँझरी, रेखा टोंग्या, शर्मिला पाटनी, शर्मिला दोषी, सपना भाणावत, शिल्पी पाटनी, सेजल बैद एवं नीलिमा अजमेरा उपस्थित रहीं। किशनगढ़ शाखा को प्राप्त यह सम्मान पूरे नगर एवं समाज के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान शाखा द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान का प्रतीक है।

# दिगंबर जैन महिला महासमिति के वृक्षारोपण महाअभियान के तहत लगाया पौधा

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा 5 जुलाई को आयोजित ''एक वृक्ष राजेंद्र गोधा जी के नाम'' वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत जयपुर कैपिटल संभाग की महामंत्री श्रीमती विनीता बोहरा ने सदस्यों के साथ वैशाली नगर स्थित नर्सरी पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधों के नियमित संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। महिला महासमिति के इस अभियान के माध्यम से समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण से जोड़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने सहभागिता निभाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

# जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी ने कराया 305वें भक्तामर स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

महल योजना स्थित दिगम्बर जैन मुनिसुव्रतनाथ मंदिर में जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा मासिक भक्तामर स्तोत्र पाठ के 305वें संस्करण का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से निरंतर संचालित इस पावन धार्मिक श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित भक्तामर स्तोत्र पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से मधुर एवं संगीतमय वातावरण में श्री भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया। भक्तिमय स्वर लहरियों से पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान हो उठा। मंदिर समिति की अध्यक्ष निर्मला मुकेश संघी एवं मंत्री शिव पिंकल श्रीमाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार और एकता को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी के अध्यक्ष नितिन पाटनी, सचिव अरुण पाटनी, कोषाध्यक्ष राजीव बज तथा कार्यकारिणी सदस्य एवं संयोजक अनिल-निशा बड़जात्या की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर नवीन-ऋतु बड़जात्या, भागचंद-कनक, सुलोचना, अशोक-बीना, नेम-इन्दु कोड़ीवाल तथा ज्योति-हेमंत काला सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं महिलाएं उपस्थित रहीं और कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

## कोलकाता में आचार्य श्री वसुनंदी महामुनिराज ससंघ का भव्य मंगल विहार, बेलगछिया जैन मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

### हावड़ा से बेलगछिया तक गूंजे जयकारे, 'वसू विचार' में आचार्य श्री ने बताया— सच्चा सुख आत्मा में है

**कोलकाता। शाबाश इंडिया।** धर्मनगरी कोलकाता रविवार को अध्यात्म, आस्था और भक्ति के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। परम पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी महामुनिराज ससंघ का मंगल पदविहार प्रातःकाल मंगलम महेश्वरी भवन, फोर्सों रोड (हावड़ा) से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन उपवन मंदिर, बेलगछिया पहुंचा। मंदिर परिसर में आचार्य संघ का भव्य एवं भावपूर्ण स्वागत किया गया। मंगल विहार के दौरान स्थानीय दिगम्बर जैन समाज सहित कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालु हाथों में मंगल कलश और धर्मध्वज लेकर जयघोष एवं भक्ति गीतों के साथ आचार्य संघ की अगवानी करते हुए चल रहे थे। फोर्सों रोड, हावड़ा ब्रिज, मालापाड़ा और श्यामबाजार पांच माथा मोड़ सहित प्रमुख मार्गों पर भक्ति और उत्साह का अनुपम दृश्य देखने को मिला। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन उपवन मंदिर, बेलगछिया में आचार्य संघ के मंगल प्रवेश के साथ ही पूरा परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक गुरुवंदना की तथा आचार्य संघ के पावन सान्निध्य में देव, शास्त्र और गुरु की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न कर विश्व शांति, सुख एवं समृद्धि की मंगलकामना की गई। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री वसुनंदी महामुनिराज ने 'वसू विचार' के माध्यम से आत्मिक सुख का संदेश देते हुए कहा कि जैसे दर्पण में हमारा चेहरा दिखाई देता है, लेकिन वास्तविक चेहरा दर्पण में नहीं होता, उसी प्रकार संसार के भौतिक पदार्थों में सुख केवल दिखाई देता है, वास्तविक सुख उनमें नहीं होता। मोह और अज्ञान के कारण मनुष्य बाहरी वस्तुओं में सुख खोजता रहता है, जबकि सच्चा, स्थायी और वास्तविक सुख उसकी अपनी आत्मा में ही निहित है।

## सच्चे मन से गुरु भक्ति की है तो मुनि बनने की शक्ति भी मिले: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

### राधौगढ़ में मंगल प्रवेश, इन्दौर जैन समाज ने श्रीफल भेंट कर किया चातुर्मास का निवेदन

**रुठियाई। शाबाश इंडिया।** राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ का रुठियाई आगमन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव की भव्य अगवानी करते हुए मंगलोदय तीर्थ रुठियाई में विशाल धर्मसभा का आयोजन किया। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति भगवान बनना चाहता है, लेकिन इसके लिए भगवान बनने के मार्ग पर चलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन भगवान के दर्शन करते समय एक ही प्रार्थना करनी चाहिए कि ''हे प्रभु, मुझे कुछ नहीं चाहिए, केवल इतना वरदान दीजिए कि मेरा जीवन साधु बनकर पूर्ण हो।'' उन्होंने कहा कि गुरु के दर्शन करते समय बाहरी आग्रह नहीं, बल्कि अंतर्मन में पवित्र भाव जागृत होने चाहिए। ''यदि मैंने सच्चे मन से गुरु को माना है, सच्चे मन से मुनि भक्ति की है और मेरी भक्ति सच्ची है, तो मुझे भी एक दिन मुनि बनकर इस धरती पर विहार करने की शक्ति मिले।'' यही प्रत्येक साधक का संकल्प होना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में ऐसा भाव सदैव बना रहे कि अंतिम समय प्रभु और गुरु का सान्निध्य प्राप्त हो। यदि किसी के प्राण प्रभु की आराधना या गुरु के प्रवचन सुनते हुए निकलें, तो वह महान पुण्य का अधिकारी बनता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आत्मकल्याण, संयम और वैराग्य की भावना विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने गृहस्थों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि स्वयं संयम धारण करना संभव न हो, तो कम से कम ऐसा संकल्प अवश्य लें कि अपनी संतान को धर्म और संस्कारों से जोड़कर पूज्य जीवन की ओर प्रेरित करेंगे। ऐसा करने से गृहस्थ जीवन भी सार्थक बन जाता है।

# 'बिग मेमसाब राजस्थान' कार्यक्रम में महिलाओं ने बिखेरा आत्मविश्वास और प्रतिभा का रंग

**जयपुर। शाबाश इंडिया।**

92.7 बिग एफएम जयपुर द्वारा आयोजित 'बिग मेमसाब राजस्थान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन होटल ग्रैंड उनियारा में किया गया। नीले रंग की आकर्षक ड्रेस थीम में सजी 150 से अधिक महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं उमंग से पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वीटो ग्रुप के जयप्रकाश एवं अंजलि उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया तथा राजस्थान अंचल की अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। 92.7 बिग एफएम के आरजे राहुल ने अपनी प्रभावशाली एंकरिंग और रोचक प्रस्तुति से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में रचना बैद, छवि जैन, रचना जैन एवं साक्षी जैन विजेता रहीं। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'बिग मेमसाब रैंप वॉक प्रतियोगिता' रही, जिसमें प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और शैली का शानदार प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बाद तमन्ना एवं दीपिका बिलाला ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों का दिल जीतते हुए 'बिग मेमसाब राजस्थान' का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के प्रायोजकों में वीटो ग्रुप, आनंद आई हॉस्पिटल, इंजन ऑयल, पीसीएम मसाले, एमएस फैशन तथा चंद्रप्रकाश ग्रुप शामिल रहे। अंत में 92.7 बिग एफएम राजस्थान के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स) विकास जैन ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता जताई।

# जेएसजी महानगर ग्रुप ने 62वें सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत किया गौसेवा एवं चारा वितरण

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा रविवार को दुगार्पुरा गौशाला में 62वें सामाजिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गौवंश के लिए हरा चारा, लौकी, टिंडे, गुड़, लड्डू, रोटियां एवं तरबूज का वितरण कर गौसेवा की गई। कार्यक्रम संयोजक रवि प्रकाश जैन ने बताया कि इस माह के कार्यक्रम के पुण्यार्जक राज जैन एवं अमिता जैन रहे। उन्होंने यह सेवा कार्य अपने स्वर्गीय पिताजी हीरालाल बगड़ा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कराया। इसी अवसर पर श्रीमती अमिता जैन की माताजी एवं ग्रुप की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती मंजुला जैन का जन्मदिन भी स्नेहपूर्वक मनाया गया। ग्रुप के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल एवं सचिव विनीत जैन ने पुण्यार्जक परिवार का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा समाजसेवा एवं गौसेवा के इस प्रेरणादायी कार्य के लिए उन्हें साधुवाद दिया। पूर्व अध्यक्ष सी.एस. जैन एवं संजय छाबड़ा ने बताया कि जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा यह सामाजिक सहायता कार्यक्रम प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को प्रातः 8:30 बजे किसी पुण्यार्जक परिवार के सहयोग से आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में सह सचिव पंकज जैन, कार्यकारिणी सदस्य अनुज जैन सहित पुखराज-गीतिका जैन, नितीन-दीपशिखा जैन, विपिन-हेमा जैन, राहुल-खुशबू जैन, गौरव-प्रियंका जैन, कमलेश जैन, संत कुमार-मंजुला जैन, विनोद-रंजुला जैन, महावीर-नीतू जैन, अमित-सुरेखा जैन, दिनेश-शैफाली जैन, कमल-रेणु बाकलीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 50 से अधिक सदस्यों ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अमिता जैन एवं राज जैन के विशेष प्रयासों की सराहना करते हुए सभी ने सामाजिक सेवा एवं गौसंरक्षण के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

# जैन मिलन मुख्य शाखा के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर में 100 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

**फिरोजाबाद। शाबाश इंडिया**

जनसेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए जैन मिलन मुख्य शाखा, चन्द्र नगर, फिरोजाबाद द्वारा मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम के सहयोग से रघु शांति हॉस्पिटल, सेंट्रल चौराहा, फिरोजाबाद में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अशोक कुमार जैन, अनुज कुमार जैन एवं अभिषेक जैन (तुलसी विहार परिवार) ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। शिविर में डॉ. एस.सी. ठाकुर (नॉन-इनवेसिव कार्डियोलॉजिस्ट) एवं डॉ. विजय शर्मा (एम.डी. फिजिशियन) ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं डॉ. डी.के. गुप्ता (जनरल फिजिशियन) एवं डॉ. भरत गुप्ता का भी शिविर के सफल संचालन में विशेष योगदान रहा। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, बीएमआई तथा पीएफटी (फेफड़ों की जांच) सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किए गए। चिकित्सकों ने हृदय रोग, मधुमेह एवं अन्य सामान्य बीमारियों से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में उपयोगी जानकारी भी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम से आईं कोऑर्डिनेटर श्रीमती विनीता सिंह का विशेष सहयोग रहा, जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष वीर राजेश कुमार जैन (आइडिया) ने कहा कि जैन मिलन मुख्य शाखा समाजसेवा एवं जनकल्याण के कार्यों के लिए सदैव समर्पित रही है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित करती रहेगी। महामंत्री वीर राहुल जैन (एम.आर.) ने सभी चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष वीर मनीष जैन (न्यू तिलक नगर) एवं ऑडिटर वीर निमिष जैन (महावीर नगर) ने शिविर की व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

कार्यक्रम में मुकेश कुमार जैन, चक्रेश जैन, अमित जैन (एसबीआई), विमलेश कुमार जैन सिंघई, संजय कुमार जैन (पीआरओ), देवेंद्र कुमार जैन, धीरेश जैन सिंघई, विकास जैन रपरिया, कमलेश जैन (छम्मू), आदेश जैन, अशोक कुमार जैन भदावर, सर्वेश कुमार जैन तिजारा, साहस जैन, अनिल जैन सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं सहयोगकताओं को अशोक कुमार जैन, अनुज कुमार जैन एवं अभिषेक जैन (तुलसी विहार परिवार) द्वारा स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में जैन मिलन मुख्य शाखा, चन्द्र नगर, फिरोजाबाद की ओर से मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम, रघु शांति हॉस्पिटल, सभी चिकित्सकों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी समाजहित के ऐसे जनकल्याणकारी सेवा कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया गया।

# राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज का द्वितीय समाधि स्मृति दिवस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया

**कोल्हापुर (महाराष्ट्र)। शाबाश इंडिया**

राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज का द्वितीय समाधि स्मृति दिवस 4 जुलाई को कोल्हापुर में मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज, मुनि श्री जयंत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, गुरु भक्ति एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पट्टाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज, मुनि श्री जयंत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के समाधि पूर्व जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उनके प्रेरणादायी संस्मरण सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में मीनाक्षी नकाते, शैला पाटील, शिल्पा पाटील, राजश्री पाटील, कांचन मुरचिट्टे, प्रतिभा आळतेकर, नंदिनी कमते, रेश्मा शाह, वंदना नाईक, सुषमा कारंडे, अनघा सांगरुळकर, कविता बड्डे, सुजाता किणे, जयश्री गाट, सुजाता रोटे, जयश्री पाटील, दामिनी जैन, सोनाली उपाध्ये, विक्रांत नाईक, ब्रह्मकिरण उपाध्ये, विपुल जैन, सुमित ओसवाल, विद्याधर खोत, भूषण कावळे एवं अभिषेक पाटील सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज का प्रेरक जीवन

आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज दिगंबर जैन परंपरा के महान संतों की गौरवशाली परंपरा के प्रमुख आचार्यों में रहे। यह परंपरा आचार्य श्री आदिसागर जी महाराज 'अंकलीकर', आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी महाराज, आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज, आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज 'फफोतू' से होती हुई आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज तथा वर्तमान में आचार्य प्रवर श्री विशुद्ध सागर जी महाराज तक पहुंचती है। आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज का जन्म 2 मई 1963 को मध्यप्रदेश के दमोह जिले स्थित पथरिया में हुआ था। उनके पिता का नाम कपूरचंद जी तथा माता का नाम श्यामादेवी था। गृहस्थ जीवन में उनका नाम अरविंद था। उन्होंने 2 जून 1980 को मध्यप्रदेश के बुढार में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज (फफोतू) के करकमलों से क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण कर क्षुल्लक पूर्णसागर जी का नाम प्राप्त किया। इसके बाद 1 दिसंबर 1983 को औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज से मुनि दीक्षा ग्रहण की। आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज एवं आचार्य श्री सन्मतिसागर जी

महाराज की अनुमति से 8 नवंबर 1992 को मध्यप्रदेश के सिद्धक्षेत्र द्रोणागिरी में चतुर्विध संघ द्वारा उन्हें आचार्य पद से विभूषित किया गया। अपने दीर्घ साधना जीवन में उन्होंने 227 शिष्यों को दीक्षा प्रदान की, जो आज देशभर में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं धर्म प्रभावना में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाधि स्मृति दिवस के अवसर पर श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हुए उनके तप, त्याग, संयम एवं धर्म प्रभावना को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

# मलाना में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 55 मरीजों की जांच, 13 का लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन

**मलाना। शाबाश इंडिया**

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा ग्राम पंचायत मुख्यालय मलाना में दृष्टि नेत्रालय, दाहोद के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण चयन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 55 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 13 मरीजों का नेत्र लेंस प्रत्यारोपण (मोतियाबिंद) ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने बताया कि नेत्र चिकित्सा अधिकारी मुकेश मईडा, प्रियंका एवं सरफराज भाई की टीम ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। चयनित मरीजों को मलाना ग्राम पंचायत की सरपंच रेणुका रोत के साथ बस द्वारा दाहोद (गुजरात) भेजा गया, जहां उनके नेत्र लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने सरपंच रेणुका रोत, उपसरपंच लोकेश पाटीदार एवं दृष्टि नेत्रालय, दाहोद की चिकित्सकीय टीम का स्वागत किया। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल डडूका के 52वें स्थापना दिवस पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित 14 दिवसीय सेवा कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। महावीर इंटरनेशनल डडूका केंद्र के अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी ने संस्था द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर संरक्षक मणिलाल सूत्रधार, ललिता शंकर जोशी, जनार्दन राय नागर एवं जिला समन्वयक सुंदरलाल पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ग्रामवासियों की ओर से विकास रोत, फतेहसिंह राव, अर्जुन पाटीदार, देवीलाल पाटीदार, नानूलाल बुझ एवं मुकेश कटारा ने महावीर इंटरनेशनल डडूका का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी मलाना में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। शिविर में नानूलाल बुझ, देवीलाल पाटीदार, लसी देवी बुझ, पानी देवी, भीखी धूलिया, राधा रोत, रामलाल रोत, रमिला पूजा, पुष्पा डाबी, राय सिंह राव, फतेह सिंह राव, कुरी कुबेर यादव एवं निमिषा यादव का नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि अंत में रणजीत सिंह सोलंकी ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

## रसाल में दिगम्बर जैन मंदिर का वेदी एवं शिखर निष्ठापन महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

**रसाल। शाबाश इंडिया।** रसाल स्थित प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के अंतर्गत आयोजित वेदी एवं शिखर निष्ठापन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मुनि श्री 108 सुवंध्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद तथा पंडित अमित शास्त्री (जबलपुर) के सान्निध्य में हुआ। प्रातःकाल 7 बजे कलशाभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं याग मंडल विधान का आयोजन किया गया। विधान के दौरान ध्वजारोहण का सौभाग्य लालचंद, कमलकुमार, सुभाषचंद एवं पियूष पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। विधान में सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य मंजू देवी-सुभाष पहाड़िया परिवार तथा ईशान इन्द्र बनने का सौभाग्य लालमणी-ज्ञानचंद अजमेरा परिवार को मिला। इसके अलावा शांति देवी परिवार, संतोष देवी-सुरेश कुमार पांड्या परिवार, चंदा देवी-माणकचंद काला परिवार, सीमा-राजकुमार पांड्या परिवार तथा बबीता-अशोक कुमार अजमेरा परिवार को भी इन्द्र पद की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महोत्सव के दौरान अस्थायी वेदी पर मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराई गई। 1008 भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराने का सौभाग्य लालचंद, कमलकुमार, दुलीचंद एवं दीपक डोसी (मुंबई) परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं 1008 भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराने का सौभाग्य लालचंद, जितेंद्र, नीरज एवं चिराग पहाड़िया परिवार को मिला। अशोक अजमेरा ने बताया कि यह लगभग 400 वर्ष प्राचीन एवं अतिशयकारी दिगम्बर जैन मंदिर है।

# बैराठी पार्क में लगाए गए खेजड़ी के 101 जीवन वृक्ष, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

वीकेआई स्थित बैराठी पार्क में बैराठी फाउंडेशन के तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं परिंडे लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर खेजड़ी सहित 101 पौधे रोपे गए तथा पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश दिया गया। बैराठी फाउंडेशन के डॉ. सौरभ बैराठी ने बताया कि खेजड़ी को राजस्थान का राज्य वृक्ष तथा रेगिस्तान का राजा कहा जाता है। इसे 'जीवन वृक्ष' के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह कठिन परिस्थितियों में भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. बैराठी ने बताया कि बैराठी फाउंडेशन वर्तमान में 15,000 से अधिक पेड़-पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव का कार्य कर रहा है। संस्था पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फाउंडेशन द्वारा वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र एवं मंडा क्षेत्र में हजारों पौधे लगाए गए थे। संस्था इन पौधों के नियमित संरक्षण और रखरखाव का दायित्व भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रही है। कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षियों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की देखभाल करने और प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

# जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का 'पूल मस्ती-सावन री बहार' कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा 5 जुलाई को सांझरिया, अजमेर रोड स्थित स्वप्नलोक रिसोर्ट में ''पूल मस्ती-सावन री बहार' कार्यक्रम का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और सावन उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ ग्रुप पदाधिकारियों एवं संयोजकों द्वारा किया गया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर संतोष जैन एवं मनीता जैन ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केक काटकर सभी सदस्यों के साथ खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान मनीष-मेघा पापड़ीवाल, संगीता सोगानी एवं विनीता गोधा ने आकर्षक मनोरंजक खेलों का संचालन किया। साथ ही अनूठी हाउजी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन थीम के अंतर्गत 'लहरिया किंग' का खिताब पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल तथा 'लहरिया क्वीन' का खिताब बबीता जैन को प्रदान किया गया। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सदस्यों ने पूल रेन डांस का भरपूर आनंद लिया। इसके साथ ही नए एवं पुराने फिल्मी गीतों पर डिस्को ट्रैक के साथ सभी ने जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष मनीष झाँझरी, पूर्व अध्यक्ष राहुल जैन एवं संजय जैन, उपाध्यक्ष सुकेश काला, कोषाध्यक्ष संजय गोधा सहित बड़ी संख्या में ग्रुप सदस्य उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में पारिवारिक सौहार्द, आपसी मेलजोल और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

# रसाल के 400 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिर में वेदी एवं शिखर निष्ठापन महोत्सव श्रद्धापूर्वक संपन्न

**रसाल। शाबाश इंडिया**

रसाल स्थित लगभग 400 वर्ष प्राचीन एवं अतिशयकारी दिगम्बर जैन मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के अंतर्गत आयोजित वेदी एवं शिखर निष्ठापन महोत्सव सोमवार को श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मुनि श्री 108 सुवंध्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद तथा पंडित अमित शास्त्री (जबलपुर) के सान्निध्य में हुआ। प्रातः 7 बजे कलशाभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं याग मंडल विधान का आयोजन किया गया। विधान के दौरान ध्वजारोहण का सौभाग्य लालचंद, कमलकुमार, सुभाषचंद एवं पियूष पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। विधान में सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य मंजू देवी-सुभाष पहाड़िया परिवार तथा ईशान इन्द्र बनने का सौभाग्य लालमणी-ज्ञानचंद अजमेरा परिवार को मिला। इसके अलावा शांति देवी परिवार, संतोष देवी-सुरेश कुमार पांड्या परिवार, चंदा देवी-माणकचंद काला परिवार, सीमा-राजकुमार पांड्या परिवार तथा बबीता-अशोक कुमार अजमेरा परिवार को भी इन्द्र पद की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महोत्सव के दौरान अस्थायी वेदी पर मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराई गई। 1008 भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराने का सौभाग्य लालचंद, कमलकुमार, दुलीचंद एवं दीपक डोसी (मुंबई) परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं 1008 भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान कराने का सौभाग्य लालचंद, जितेंद्र, नीरज एवं चिराग पहाड़िया परिवार को मिला। अशोक अजमेरा ने बताया कि यह लगभग 400 वर्ष प्राचीन एवं अतिशयकारी दिगम्बर जैन मंदिर है। वेदी एवं शिखर निष्ठापन महोत्सव में कुचामन, लाडनूं तथा आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के दर्शन, पूजन एवं विधान में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। पूरे महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से धर्ममय बना रहा। श्रद्धालुओं ने आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए मंदिर जीर्णोद्धार कार्य की सराहना की तथा धर्म और संस्कृति के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। - **सुभाष पहाड़िया**

# मलाना में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 55 मरीजों की जांच, 13 का लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन

**मलाना। शाबाश इंडिया**

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा ग्राम पंचायत मुख्यालय मलाना में दृष्टि नेत्रालय, दाहोद (गुजरात) के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच एवं नेत्र लेंस प्रत्यारोपण चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 55 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 13 मरीजों का नेत्र लेंस प्रत्यारोपण (मोतियाबिंद) ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने बताया कि नेत्र चिकित्सा अधिकारी मुकेश मईडा, प्रियंका एवं सरफराज भाई की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। चयनित मरीजों को मलाना ग्राम पंचायत की सरपंच रेणुका रोत के साथ बस द्वारा दाहोद भेजा गया, जहां उनके नेत्र लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अजीत कोठिया ने सरपंच रेणुका रोत, उपसरपंच लोकेश पाटीदार एवं दृष्टि नेत्रालय, दाहोद की चिकित्सकीय टीम का स्वागत किया। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल डडूका के 52वें स्थापना दिवस पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित 14 दिवसीय सेवा कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। महावीर इंटरनेशनल डडूका केंद्र के अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी ने संस्था द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संरक्षक मणिलाल सूत्रधार, ललिता शंकर जोशी, जनार्दन राय नागर एवं जिला समन्वयक सुंदरलाल पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ग्रामवासियों की ओर से विकास रोत, फतेहसिंह राव, अर्जुन पाटीदार, देवीलाल पाटीदार, नानूलाल बुझ एवं मुकेश कटारा ने महावीर इंटरनेशनल डडूका का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी मलाना में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित मरीजों में नानूलाल बुझ, देवीलाल पाटीदार, लसी देवी बुझ, पानी देवी, भीखी धूलिया, राधा रोत, रामलाल रोत, रमिला पूजा, पुष्पा डाबी, राय सिंह राव, फतेह सिंह राव, कुरी कुबेर यादव एवं निमिषा यादव शामिल हैं। शिविर का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि अंत में रणजीत सिंह सोलंकी ने सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

# रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

## "क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट" के संकल्प के साथ शुरू हुआ नया सत्र

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल के सत्र 2026-27 का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार सायंकाल गरिमामय एवं भव्य वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर समाजसेवा के माध्यम से स्थायी एवं सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अरुण कुमार बगड़िया ने डॉ. राजीव जैन को अध्यक्ष, डॉ. अनुराग तोमर को सचिव तथा अमित मक्कड़ को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोटरी का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि समाज में स्थायी एवं सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने नई टीम से सेवा, नेतृत्व और नवाचार के साथ क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। समारोह में पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन बलवंत सिंह चिराना, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट डॉ. के.सी. शर्मा, असिस्टेंट गवर्नर पूनम बगड़िया, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी संजय कौशिक तथा क्लब के मेंटर रोटेरियन कुलदीप सिंह ढिल्लन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. राजीव जैन ने कहा कि उनकी टीम शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास एवं मानवीय सेवा से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से समाज में सार्थक एवं स्थायी परिवर्तन लाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि क्लब का प्रत्येक सदस्य सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन एंकर अंकित खंडेलवाल एवं निकिता कोका ने किया। वहीं जावेद एवं मधु की मधुर संगीत प्रस्तुतियों ने समारोह को संगीतमय बना दिया और उपस्थित अतिथियों का भरपूर मनोरंजन किया। अंत में क्लब के मेंटर रोटेरियन कुलदीप सिंह ढिल्लन एवं सचिव डॉ. अनुराग तोमर ने सभी अतिथियों, रोटेरियनों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए नए सत्र के सफल संचालन का विश्वास व्यक्त किया।

# पद्मावती पब्लिक स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाया गया वन महोत्सव, विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल में सोमवार को वन महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की भावना तथा वृक्षारोपण के महत्व के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सरी से प्रेप तक के नन्हे विद्यार्थियों ने नेचर वर्क गतिविधि के माध्यम से प्रकृति के प्रति अपने स्नेह और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। वहीं प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने आकर्षक चित्रकला प्रदर्शनी, प्रेरक कविता पाठ तथा अंकुरण गतिविधि के माध्यम से पौधों के जीवन चक्र को समझते हुए पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षिकाओं ने पौधारोपण किया। सभी ने सामूहिक रूप से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित बनाने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। वे हमें

शुद्ध वायु, छाया, वर्षा और जीवन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता केवल पौधे लगाने की नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने की भी है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो हमारा देश पुनः हरित और समृद्ध बन सकता है। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर सभी ने प्रकृति संरक्षण को अपना कर्तव्य मानते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण का संकल्प दोहराया।

संदेशः ''पेड़ हमारा अभिमान, हरियाली हमारी पहचान।''

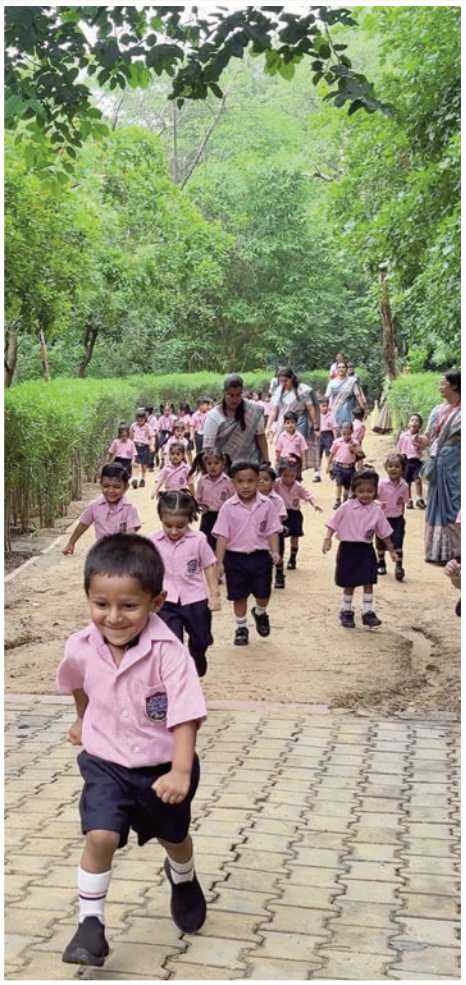

# सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरि में क्षपकराज मुनि श्री 108 वर्धमान सागर जी (दक्षिण) की उत्कृष्ट समाधि, जैन समाज ने दी भावपूर्ण विनयांजलि

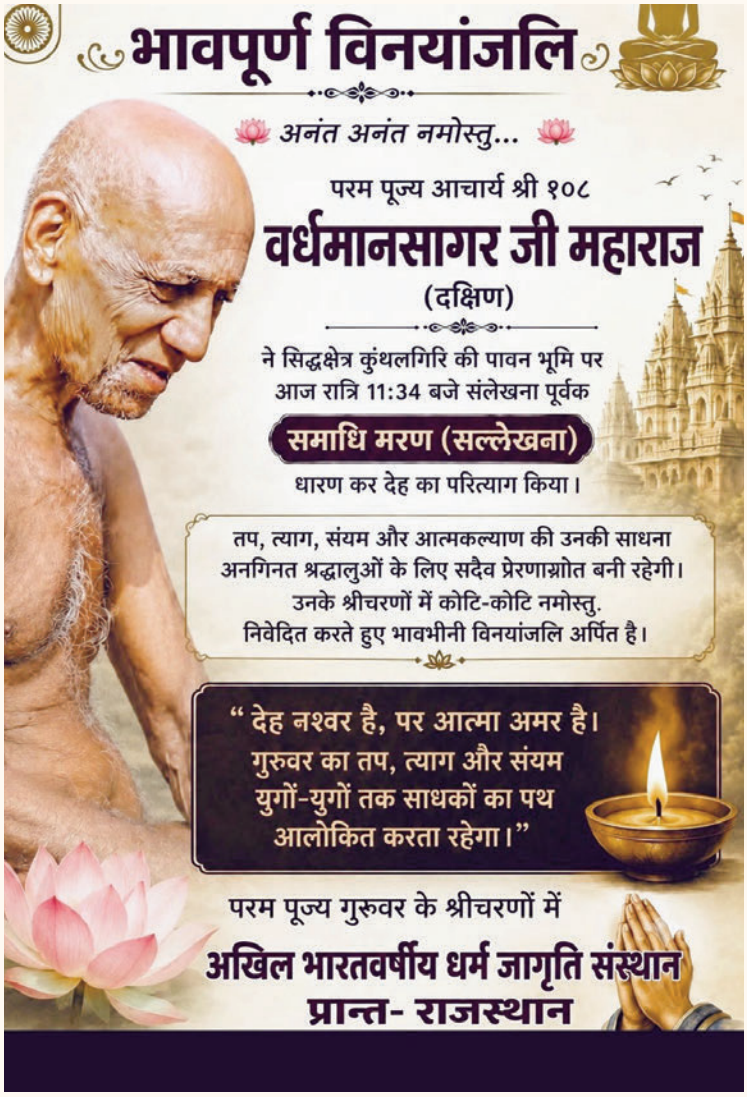

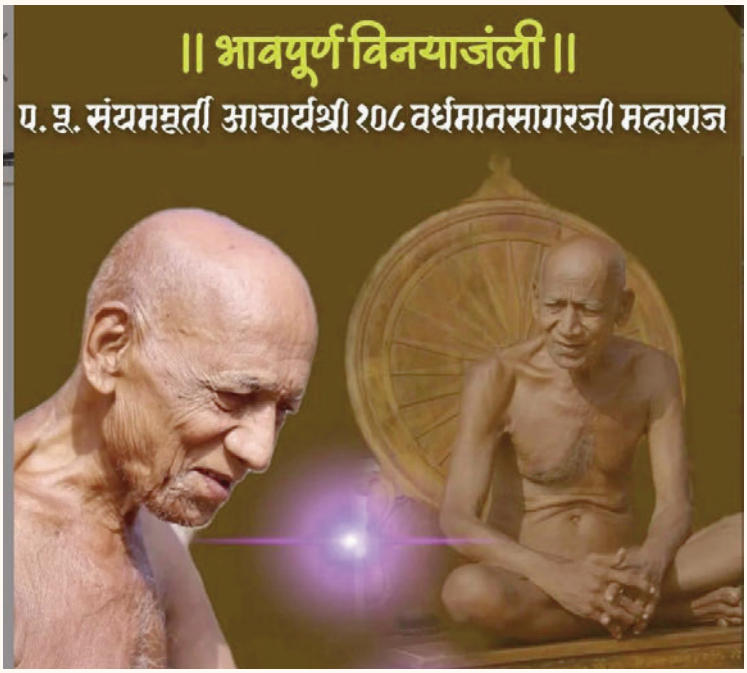


**जयपुर/कुन्थलगिरि (महाराष्ट्र)। शाबाश इंडिया**

चारित्र चक्रवर्ती प्रथम जैनाचार्य श्री 108 शांतिसागर मुनिराज की पावन समाधि-स्थली सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरि ने 5 जुलाई की रात्रि 11:34 बजे एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण का साक्षी बनते हुए स्वयं को धन्य किया। क्षपकराज मुनि श्री 108 वर्धमान सागर जी (दक्षिण) ने 13 दिवसीय यम-सल्लेखना पूर्ण कर उत्कृष्ट समाधि का वरण किया। मुनि कुलभूषण एवं देशभूषण की समाधि-स्थली के रूप में विख्यात इस सिद्धक्षेत्र में उनकी समाधि ने त्याग, तप, वैराग्य एवं आत्मविजय की परंपरा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। मोह, लोभ एवं पदासक्ति से पूर्णतः विरक्त मुनि श्री वर्धमान सागर जी ने अपने जीवनकाल में ही 20 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र के सांगली में मुनि श्री 108 विद्यासागर जी महाराज (दक्षिण) को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया था। यह निर्णय उनकी निष्पृहता, दूरदर्शिता एवं संगठनात्मक दृष्टि का अनुपम उदाहरण माना जा रहा है। आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज का पूर्वाश्रम नाम पायगोंडा अडगोंडा पाटिल था। उनका जन्म 3 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के निमशिरगांव में अडगोंडा पाटिल एवं मुरुदेवी पाटिल के सुपुत्र के रूप में हुआ। उन्होंने बी.ए. एवं बी.एड. तक शिक्षा प्राप्त की। प्रारंभ से ही अध्ययनशीलता, धार्मिकता एवं आध्यात्मिक चिंतन उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान रहे। आत्मकल्याण की प्रबल भावना से प्रेरित होकर उन्होंने 2 फरवरी 2004 को महाराष्ट्र के इचलकरंजी में आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज (अंकलीकर) के करकमलों से दिगम्बर मुनि दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के उपरांत कठोर संयम, तप, स्वाध्याय एवं धर्मप्रभावना के माध्यम से उन्होंने श्रमण संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी विलक्षण साधना, गहन विद्वत्ता, संघ संचालन क्षमता एवं धर्मप्रभावना से प्रभावित होकर आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज ने 18 फरवरी 2011 को महाराष्ट्र के कोथली में उन्हें आचार्य पद से विभूषित किया। त्याग, तप, संयम, आत्मानुशासन एवं धर्मसेवा से आलोकित उनका जीवन दिगम्बर जैन परंपरा की अमूल्य धरोहर माना जाता है। संलेखना आराधना के दौरान 26 जून को जयपुर के जनकपुरी निवासी युवा श्रद्धालु कमलेश पाटनी को क्षपकराज मुनि की अभिषेक, शांतिधारा एवं रात्रिकालीन वैयावृत्ति का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि ऐसी अलौकिक संलेखना का प्रत्यक्ष दर्शन उनके जीवन का अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव रहा। उनके अनुसार आचार्य श्री ने 23 जून 2026 को सातापूर्वक यम-सल्लेखना का संकल्प घोषित किया था। संपूर्ण आराधना काल में नवाचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज (दक्षिण) के मार्गदर्शन में संघस्थ साधुओं ने सेवा, वैयावृत्ति एवं आराधना में पूर्ण समर्पण का परिचय दिया। इस दौरान जयपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरि पहुंचे और क्षपकराज मुनि के दर्शन कर उनकी महान साधना की भावपूर्ण अनुमोदना की। श्रद्धालुओं ने कहा कि उनका तप, त्याग, संयम, निष्पृहता एवं आत्मसाधना आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का अक्षय स्रोत बनी रहेगी। इधर जयपुर के जनकपुरी में विराजित आचार्य श्री आदित्य सागर जी मुनिराज ने धर्मसभा में क्षपकराज मुनि श्री 108 वर्धमान सागर जी (दक्षिण) को विनयांजलि अर्पित करते हुए उनके तप, त्याग एवं आत्मसाधना को जैन श्रमण परंपरा की अमूल्य विरासत बताया और श्रद्धालुओं से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

-पदम जैन बिलाला, जनकपुरी, जयपुर

# एसएफएस दिगम्बर जैन मंदिर के 36वें वार्षिक उत्सव में विश्व शांति एवं समृद्धि के लिए हुई वृहद शांतिधारा

## आदिनाथ विधान मंडल पूजन में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से लगाए अर्घ्य, सोमवार को होगा महोत्सव का समापन

जयपुर। शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एसएफएस राजावत फार्म, मानसरोवर के 36वें त्रिदिवसीय वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन रविवार को धार्मिक अनुष्ठानों एवं भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। प्रातःकाल भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात वर्ष में एक बार होने वाले मंदिर के तीनों शिखरों में विराजमान जिनबिम्बों का विशेष अभिषेक संपन्न हुआ। मंदिर मंत्री सोभागमल जैन ने बताया कि मूलनायक भगवान आदिनाथ पर संतोष-अनीता, शुभम एवं शालिनी अजमेरा (रूपनगढ़) परिवार, भगवान महावीर स्वामी पर दिनेश-ललिता एवं मुदित (निवाई) परिवार तथा भगवान पार्श्वनाथ पर दिनेश, संजू, संकित एवं आस्था (बनेठा) परिवार की ओर से शांतिधारा की गई। वहीं पांडुक शिला पर विराजमान भगवान आदिनाथ पर सुरेंद्र-सुनीता, शुभम-तन्वी, आयुषी एवं नविका हल्दैनिया (सुमेर नगर) परिवार ने विश्व में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना के साथ मंत्रोच्चार के बीच वृहद शांतिधारा संपन्न कराई। दोपहर 12:30 बजे आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज द्वारा रचित आदिनाथ विधान मंडल पूजन का आयोजन भक्ति एवं संगीत के साथ संपन्न हुआ। पंडित नवीन जैन (सांगानेर), कैलाशचंद जैन एवं सुनील बज के निर्देशन तथा संगीतकार जिनेंद्र जैन एवं बबिता जैन की मधुर प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण पूजन किया। विधान में सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य नरेंद्र-कुसुम, अंकुर-नेहा एवं प्रत्युष चांदवाड़ परिवार को प्राप्त हुआ। भरत चक्रवर्ती के रूप में हेमचंद-नीलू छाबड़ा परिवार, कुबेर इन्द्र के रूप में वीरेंद्र-नीना गदिया परिवार तथा यज्ञनायक इन्द्र के रूप में प्रवीण दोषी, गौरव दोषी एवं मनोज-रजनीकांत लुहाड़िया परिवार ने मंडल पर अर्घ्य समर्पित किए। सायंकाल युवा मंडल द्वारा भगवान की भक्तिमय महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन एवं जयघोष के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। मंदिर अध्यक्ष कमलेशचंद जैन ने बताया कि सोमवार, 6 जुलाई को प्रातः वृहद शांतिधारा के साथ 36वें त्रिदिवसीय वार्षिक उत्सव का विधिवत समापन होगा। श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करने का आह्वान किया गया।

# चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक-शांतिधारा एवं वृक्षारोपण का आयोजन

जयपुर। शाबाश इंडिया

मुहाना मंडी स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पारस विहार में रविवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ प्रातःकालीन अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार, राकेश कुमार, ऋषभ एवं यश लुहाड़िया (खातेगांव-अकोड़ा लुहाड़िया परिवार) तथा पवन कुमार-सरोज, प्रतीक-रुचि, आध्या एवं मानवी गोदिका परिवार को अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्य लाभ प्राप्त हुआ। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर वीरेन्द्र के.-मधु सेठी (बोनी हाइट्स), शांति देवी, धर्मेन्द्र मीना, देवांशु-अपूर्वा गोदिका, अंकित-आयुषी सोगानी (सांगानेर), अनमोल-अनुभा पाटनी (सिद्धार्थ नगर), नरेश-सुमन, धर्मेश-पूजा अजमेरा, संजय-शिखा पाटनी, संतोष-शोभा, रौनक-रूपल (सडू वाले), दिनेश-नीरू, राजेन्द्र-रेणु जैन, अशोक अजमेरा, सुभाष-सुनीला पाटनी, विकास सोगानी परिवार, पुणित सोगानी परिवार (मालपुरा) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अभिषेक एवं शांतिधारा के दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किया। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र के. सेठी ने बताया कि प्रातः 11 बजे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'सम्यक' के अध्यक्ष डॉ. इन्द्रकुमार जैन, सचिव नवल जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह, संरक्षक महावीर बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष वीरेन्द्र जैन, अशोक जैन (विधानसभा वाले), धनकुमार जैन, महावीर बोहरा, विजय सोनी, रोशन जैन, राकेश जैन सहित ग्रुप की महिला सदस्यों की सहभागिता में मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने अधिकाधिक पौधे लगाने, उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**जयपुर। शाबाश इंडिया**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक, जयपुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से मुहाना मंडी स्थित गोदिका परिवार के चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में छायादार, फलदार एवं पुष्पीय पौधे लगाए गए। ग्रुप के प्रत्येक दंपत्ति सदस्य ने एक-एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंदिर कार्यकारिणी के पवन गोदिका एवं धर्मेन्द्र गोदिका का विशेष सहयोग रहा, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन, सचिव नवल-सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह, संरक्षक महावीर-शकुंतला बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर-लक्ष्मी बोहरा, अशोक-अंजू जैन, राकेश-ज्योति, रोशन-आशा, विजय-सीमा सोनी, वीरेन्द्र-स्नेहप्रभा तथा धनकुमार-अंजना सहित अनेक दंपत्ति सदस्यों ने सहभागिता निभाई। वृक्षारोपण के उपरांत मंदिर कार्यकारिणी एवं स्थानीय श्रावकों ने सम्यक ग्रुप के सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया तथा जलपान की व्यवस्था की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सेवा भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। अंत में ग्रुप अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन ने मंदिर कार्यकारिणी एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।